इस्पात टाईम्स, रायगढ़ | 17 अक्टूबर 2015

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा सम्पन्न

एम.जी. महाविद्यालय में हुई परीक्षा

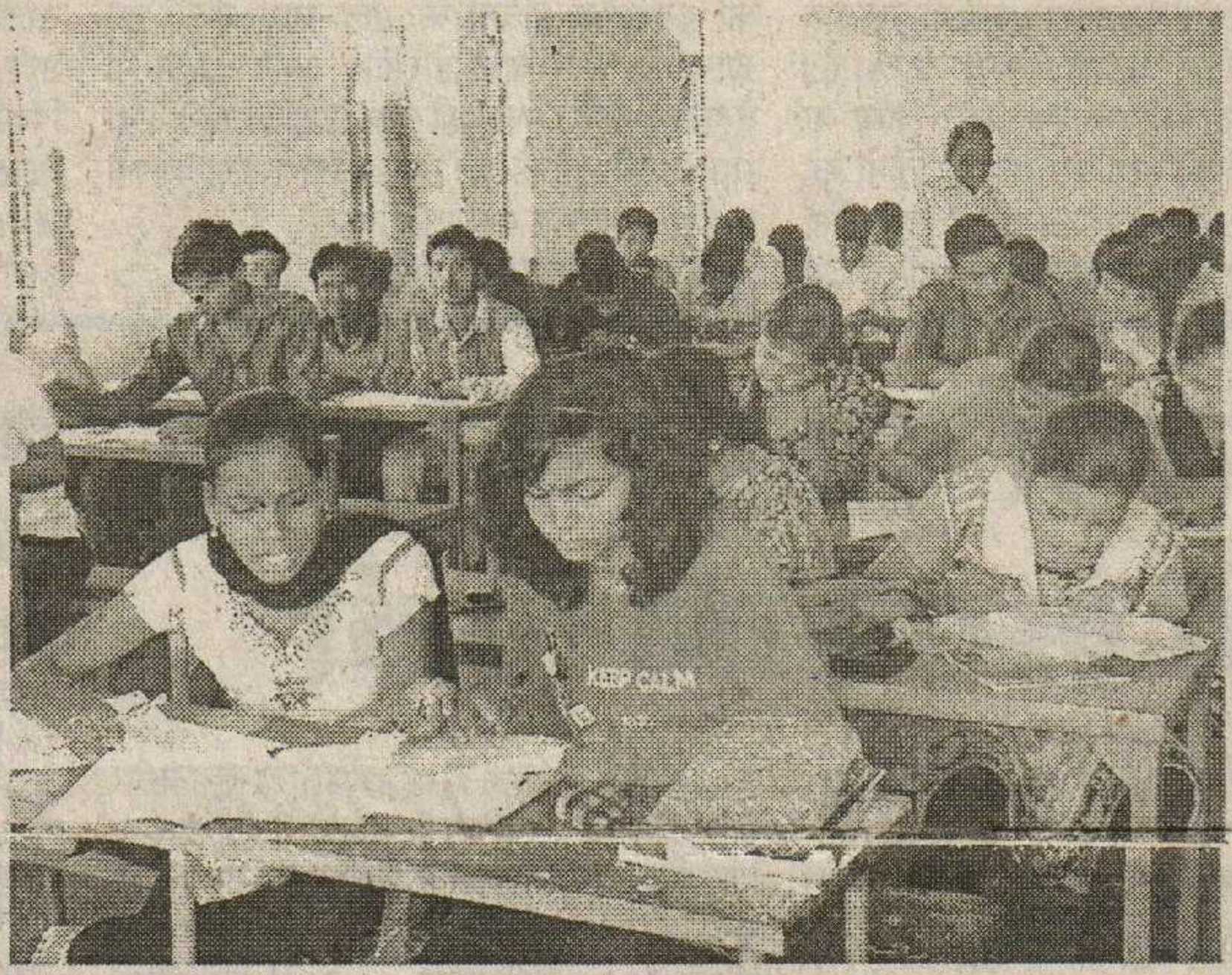

खरसिया। संस्कृति भास्कर किताब आधारित महाविद्यालयीन स्तर की भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 15 अक्टूबर को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में आयोजित हुई। इस उपलक्ष्य पर प्राचार्य डॉ. पीसी घृतलहरे ने कहा कि लोग अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे है, पर गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा इस तरह की परीक्षा आयोजित कराकर भारतीय संस्कृति को विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों के मानस पटल में पुनर्स्थापित किया जा रहा है।

प्रो. डॉ. रमेश टण्डन के अथक प्रयास से पिछले वर्ष महाविद्यालय का इस परीक्षा के लिए पंजीयन हुआ एवं 57 छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित हुए। इन्होंने कहा कि इस परीक्षा का उद्देश्य मात्र परीक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करना नहीं बल्कि अपनी प्राचीनतम गौरवशाली संस्कृति सा प्रथमा संस्कृतिर्विश्ववारा का बोध कराना है। इस वर्ष पुनः 57 छात्र-छात्राएं इस परीक्षा में सम्मिलित हुए। प्रो. रोमी जायसवाल ने परीक्षा संपादित कराने में भरपूर सहयोग प्रदान किया। इस परीक्षा को सम्पन्न कराने में गायत्री परिवार से परिजन पंचराम निषाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन्होंने समस्त परीक्षार्थियों को संस्कृति भास्कर नामक किताब उपलब्ध करायी साथ में परीक्षा में सम्मिलित समस्त छात्रों को सफलता के सात सूत्र-साधन नामक किताब भी वितरीत किया। इस किताब में विद्यार्थी के गुण का उल्लेख है। इसके अनुसार विद्यार्थी को सदाचारी, त्यागी, स्वस्थ, सृजनशील, सहकारी, विवेकशील, मितव्ययी, स्वअनुशासित, विनम्र, परोपकारी, संयमी, साहसी, धैर्यवान, चरित्रवान, नियमित, संवेदनशील, दूरदर्शी, आशावादी, आत्मविश्वासी, दृढ़निश्चयी और उत्साही होना चाहिए। छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया , सचिव सागर सिदार , पदाधिकारी व कक्षा प्रतिनिधियों ने छात्रों को इस भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंजनी रत्नाकर, सरस्वती भास्कर, रविना राठौर, मनीषा राठौर, अश्वनी कुमार खटेल, सरोजदास महंत, जानकी जोशी समेत 57 छात्र-छात्राएं इस परीक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति से परिचय प्राप्त किया। इंटरनेट मोबाईल के युग में एवं पश्चिमी सभ्यता के हावी होने की परिस्थितियों में इस महाविद्यालय में इस तरह की परीक्षा का आयोजित होना सुखद पहल के साथ- साथ सुसंस्कारित व स्वर्णिम भविष्य का संकेत है। इस आयोजन में महाविद्यालय के प्रो. डी.के. अम्बेला, प्रो. एम. एल. धीरही, डॉ. पी. एल. पटेल, प्रो. सरला जोगी, प्रो. मनोज कुमार साहू, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. काश्मीर एक्का, डॉ. रविन्द्र चौबे, डॉ. सुशीला गोयल, सुरेन्द्र मेहरा, उमाशंकर टोण्डे, एलएस पोर्ते, लक्ष्मण सिदार, मदन मलहोत्रा, शौकीलाल बरेठ, अरूण कुमार, प्रेमसाय, संजय गुप्ता, राजकुमार साहु आदि का सहयोग सराहनीय रहा। छात्रों में दिग्विजय सिंह, बादल सिंह ठाकुर, प्रियंका मरकाम, जानकी बर्मन व कक्षा प्रतिनिधियों ने छात्रों को शुभकामनाएं दी एवं इस तरह के आयोजन पर हर्ष प्रकट किया।